॥ हयग्रीवस्तोत्रम् ॥

.. hayagrIvastotraM ..

sanskritdocuments.org

April 10, 2015

Document Information

Text title : hayagrIvastotraM
File name : hayagriva.itx
Location : doc_deities_misc
Language : Sanskrit
Subject : philosophy/hinduism/religion
Transliterated by : Shrisha Rao shrao at dvaita.org
Proofread by : Shrisha Rao shrao at dvaita.org
Latest update : November 1, 2010
Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com
Site access : http://sanskritdocuments.org

॥ हयग्रीवस्तोत्रम् ॥

॥ हयग्रीवस्तोत्रम् ॥

॥ हयग्रीवसम्पदास्तोत्रम् ॥

हयग्रीव हयग्रीव हयग्रीवेति वादिनम् ।
नरं मुञ्चन्ति पापानि दरिद्रमिव योषितः ॥ १॥

हयग्रीव हयग्रीव हयग्रीवेति यो वदेत् ।
तस्य निस्सरते वाणी जह्नुकन्या प्रवाहवत् ॥ २॥

हयग्रीव हयग्रीव हयग्रीवेति यो ध्वनिः ।
विशोभते स वैकुण्ठ कवाटोद्घाटनक्षमः ॥ ३॥

श्लोकत्रयमिदं पुण्यं हयग्रीवपदाङ्कितम्
वादिराजयतिप्रोक्तं पठतां सम्पदां पदम् ॥ ४॥

॥ इति श्रीमद्वादिराजपूज्यचरणविरचितम् हयग्रीवसम्पदास्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

॥ भारतीरमणमुख्यप्राणान्तर्गत श्रीकृष्णार्पणमस्तु ॥

Encoded by Shrisha Rao shrao at dvaita.org

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of any website or individuals or for commercial purpose without permission.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

.. hayagrIvastotraM ..
was typeset on April 10, 2015

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*